<u>उद्देश्य</u> - इस कोर्स का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्वरलिपि पद्धति, गायन शैलियों एवं उसके घरानों व राग शास्त्र का विस्तृत ज्ञान देना और संगीत ग्रन्थों व संगीतज्ञों के जीवन से अवगत कराना है।

द्वितीय सेमेस्टर

क्र0 सं0	कोर्स का नाम	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
4	**गायन - रागों और तालों का अध्ययन II**	एम0पी**0**ए0एम0वी0 - 5**0**6	**100**	2
	इकाई **1 -** राग निर्माण, वादी, सम्वादी, अनुवादी एवं विवादी स्वर का महत्व।			
	इकाई **2 -** राग एवं रागिनी की व्याख्या, रागों का समय चक्र, ग्राम और मूर्च्छना।			
	इकाई **3 -** पाठ्यक्रम के रागों का पूर्ण वर्णन, तुलना एवं स्वर समूह द्वारा राग पहचानना।			
	इकाई **4 -** संगीत के प्रसिद्ध ग्रन्थों (नाट्यशास्त्र, बृहद्देशी, स्वरमेलकलानिधि व संगीत दर्पण) का अध्ययन।			
	इकाई **5 -** संगीत संबंधी विषयों पर निबंध लेखन।			
	इकाई **6 -** पाठ्यक्रम के रागों की बन्दिशों (विलम्बित ख्याल, मध्यलय ख्याल, तान व तराना) को लिपिबद्ध करना।			
	इकाई **7 -** पाठ्यक्रम के रागों में ध्रुवपद एवं धमार (दुगुन, तिगुन व चौगुन) लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई **8 -** पाठ्यक्रम की तालों के ठेकों को लयकारी (दुगुन, तिगुन, चौगुन व आड़) सहित लिपिबद्ध करना।			

नोट - विद्यार्थी द्वितीय सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के अन्तर्गत रखे गए राग व ताल के अनुरूप अध्ययन करें।

द्वितीय सेमेस्टर

राग - अहीर भैरव, बागेश्री, बैरागी, बिहागड़ा व मालकौंस *ताल - झपताल, एकताल, रूपक व 9 मात्रा की ताल*

सहायक/उपयोगी पाठ्य सामग्री -

1.वसन्त, संगीत विशारद, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ**0** प्र**0** ।

2. श्रीमती शान्ति गोवर्धन, संगीत शास्त्र दर्पण ।

3. डॉ**0** लक्ष्मीनारायण गर्ग**,**राग विशारद**(**दोनों भाग**)**, संगीत कार्यालय, हाथरस, उ**0** प्र**0** ।

4. पं**0** विष्णु नारायण भातखण्डे, भातखण्डे क्रमिक पुस्तक मालिका **(**सभी भाग**),** संगीत कार्यालय, हाथरस, उ**0** प्र**0** ।

5. श्री विनायक राव पटवर्धन**,** राग विज्ञान**(**दोनों भाग**)**।